B.A Part-1 Psy. Paper-1. Topic- Intelligence Quotient
Dr. Prabha Shree (Guest Faculty,Deptt of Psychology, Vaishali Mahila College, Hajipur)

बुद्धि लब्धि

(Intelligence Quotient)

बुद्धि मापने के लिए सर्वप्रथम परीक्षण का निर्माण बिने तथा साइमन (Binet & Simon) ने 1905 में किया। इस परीक्षण में सबसे महत्वपूर्ण संशोधन Terman ने 1916 में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में किया। इस संशोधन से बुद्धि-लब्धि संप्रत्यय का जन्म हुआ तथा बुद्धि

मापने के लिए मानसिक आयु की जगह बुद्धि-लब्धि का प्रयोग किया जाने लगा। बुद्धि-लब्धि के विषय में Stern द्वारा भी 1912 में अपने विचार प्रकट किए गए थे।

बुद्धि लब्धि का सूत्र है-----

$$\text{बुद्धि लब्धि (IQ)} = \frac{\text{मानसिक आयु (MA)}}{\text{शारीरिक आयु (CA)}} \times 100$$

जैसे यदि एक बच्चे की मानसिक आयु 9 वर्ष तथा शारीरिक आयु 8 वर्ष है तो उसकी IQ इस तरह निकालेंगे-

सूत्र------- $IQ = MA/CA \times 100$

$IQ = 09/08 \times 100 = 112$

वस्तुतः कम उम्र अर्थात 3-4 साल की अवस्था में बौद्धिक विकास तीव्रता से

होता है जबकि 14-15 वर्ष की अवस्था में इसकी गति धीमी हो जाती है। आधुनिक मनोवैज्ञानिकों के अनुसार सामान्यता 18-19 साल के बाद व्यक्ति की मानसिक आयु नहीं बढ़ती जबकि उसकी शारीरिक आयु बढ़ती है। इसलिए मनोवैज्ञानिकों ने बुद्धि लब्धि का एक नया अर्थ बताया जिसमें बुद्धि लब्धि प्राप्तांक द्वारा किसी बुद्धि परीक्षण पर समान उम्र के अन्य व्यक्तियों की तुलना में व्यक्ति के निष्पादन का पता चलता है।

व्यक्ति के प्राप्तांक की व्याख्या उसके अपने उम्र के मानक से की जाती है हर उम्र के माध्य प्राप्तांक को अपनी इच्छा से 100 मान लिया जाता है। यदि किसी बुद्धि परीक्षण पर व्यक्ति का प्राप्तांक अपनी आयु के लिए निर्धारित माध्य अर्थात 100 से अधिक होता है तो उसे औसत से अधिक बुद्धि का तथा 100 से कम होता है, तो निम्न बुद्धि का समझा जाता है अर्थात विचलन बुद्धि लब्धि द्वारा किसी बुद्धि परीक्षण पर व्यक्ति का निष्पादन कितना विचलित होता है ज्ञात किया जाता है।